B. A. (Part - III)

# Coal Industry

मेजी शासनकाल मे कोयले की खानें अधिक बड़ी नही थी। मेजी पुनर्संस्थापन के उपरान्त कोयले की प्रथम खान की स्थापना क्युशु मे हुई। उत्पादन का कुल भाग जायबत्सु के अन्तर्गत कुछ फर्मों द्वारा ही किया जाता था। उत्पादन पहले बहुत कम था परन्तु 1804 ई० के बाद औद्योगीकरण के प्रगति के साथ-साथ उत्पादन भी काफी मात्रा मे हुआ।
आधा से अधिक भाग 1913 मे खनिज उत्पादन केवल कोयला ही था।
जापान मे लोहा एवं इस्पात के विषय के साथ-साथ कोयला उद्योग का भी विकास हुआ क्योंकि इस्पात एवं लोहा को गलाने के लिए कोयले की आवश्यकता पड़ी।

कोयला उद्योग के आरम्भिक वर्षो मे कोयले का उत्पादन अत्यन्त कम था किन्तु औद्योगिकरण होने के उपरान्त कोयले की मांग तथा उत्पादन मे तेज प्रगति दिखाई दी। 1913 ई० तक खनिज उत्पादन का आधे से भी अधिक भाग केवल कोयले का था। 1913 ई० तक जापान मे 100 खनन कम्पनियाँ थी।
इनमे 1.7 लाख श्रमिक कार्य कर रहे थे। जापान ने 1913 ई० तक कोयले का काम मात्रा मे निर्यात किया गया लेकिन 1913 ई० के उपरान्त निर्यात 3 मि० टन प्रति वर्ष हो गया।
1913 ई० मे इस उद्योग मे लगे प्रति श्रमिक उत्पादन 123 टन था तथा प्रति

Scanned with CamScanner

व्यक्ति शिफ्ट उत्पादन 0.52 टन था।
प्रथम विश्व युद्ध के समय कोयला उद्योग को काफी तेजी से प्रगति का मौका मिला। युद्धकाल मे उत्पादन मे कुल 10 मी० टन की वृद्धि हुई।
किन्तु बाद मे वर्षों मे प्रगति काफी कम थी। यह धीमी गति 1929 तक रही। इस कारण सरकार को कोयले का विदेशो से आयात करना पड़ता था।

द्वितीय विश्व युद्ध तथा युद्ध उपरान्त स्थिति:—>
द्वितीय विश्व युद्ध के समय इस उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ा तथा युद्ध के कुछ समय तक कोयला उद्योग मे प्रगति तेज रही। युद्ध की विभीषिकाओं के चलते इसमे कमी आ गयी।
कोयला उद्योग ने 1947 ई० तक युद्ध के पूर्व की स्थिति कर से प्राप्त कर ली थी। 1948 मे पुनःस्थापना हुआ। इसका मुख्य कारण अच्छे किस्म के कोयले के भण्डार की समाप्ति थी।
1956 ई० के अनुमान के अनुसार यहाँ कोयले का अनुमानित भण्डार 2024.5 करोड़ टन के लगभग था। जो विश्व के कुल अनुमानित भण्डार का 4 प्रतिशत था। यद्यपि कोकिंग कोयले की माँग को पूरा करने के लिए भी ~~बाहर~~ बाहर से मंगाना पड़ता था तथा 1953 ई० तक

कोयला उद्योग ने उत्पादन मे दुगुनी वृद्धि कर ली थी।

बर्तमान स्थिति - जापान मे सम्पूर्ण कोयला भण्डार संसार के सभी कोयला भण्डारो का मात्र 40 प्रतिशत है।
1969 मे कुकिंग कोयले की 82 मि० टन मांग रही।
इसके लिए काफी आयात करना पड़ा।
जापान बर्तमान समय मे कोयले की कमी को दूर करने के लिए जल बिधुत शक्ति पर अधिक जोर दे रहा है तथा अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि देशो मे आयात जारी है।